क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
	19/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी अनुपस्थित। वादी स्वयं भी अनुपस्थित। न्यायालय समय में बार-बार आवाजें लगवाई गई परन्तु ना तो वादी स्वयं उपस्थित हुए ना ही वादी के वकील उपस्थित हुए। अतः वादी का वाद अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज फरमाया जाता है। पत्रावली तरतीब दे कर बेरर दाखिल दफ्तर हो।	